अमेरिका में पढ़ने के लिए आपको क्या जानना ज़रूरी है

किसी भी विद्यार्थी को आवेदन कब करना चाहिए?

अमेरिकी विश्वविद्यालय में नामांकन की अभीष्ट तिथि से कम से कम 18 माह पहले। उदाहरण के लिए, अगर आप अगस्त/सितंबर 2011 में नामांकन चाहते हैं तो आपको अप्रैल 2010 में आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर देनी चाहिए। आपको प्रवेश कार्यक्रमों की अंतिम तिथियों की पक्की जानकारी होनी चाहिए।

अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आवेदन करने पर कितना खर्चा आता है?

औसतन सात विश्वविद्यालयों में आवेदन करने के लिए अनुमानत: 50,000 रुपयों का व्यय आएगा। इसमें मानकीकृत प्रवेश परीक्षा फीस, आवेदन फीस, टेलीफोन, फैक्स तथा डाक व्यय शामिल है।

अमेरिका में पढ़ाई करने पर प्रति वर्ष कितना धन खर्च होगा?

पढ़ाई और रहने का खर्च लगभग 25,000 से 50,000 डॉलर होगा।

क्या अमेरिका के ग्रेजुएट स्कूलों में भारत के किसी विश्वविद्यालय की तीन-वर्षीय डिग्री स्वीकार की जाती है?

ब्रिटिश मॉडल पर आधारित भातीय तीन-वर्षीय डिग्री संपूर्ण तथा विषय-विशिष्ट मानी जाती है। जो विद्यार्थी अमेरिका में पढ़ना चाहते हैं, अधिकांश स्कूलों में दुर्भाग्यवश यह डिग्री अमेरिका की बैचलर डिग्री के समकक्ष नहीं मानी जाती। फिर भी उन अमेरिकी स्कूलों की संख्या बढ़ रही है जो भारत की तीन-वर्षीय डिग्री को स्वीकार करते हैं। तीन-वर्षीय डिग्री प्राप्त भारतीय छात्रों को प्रवेश देने के मामले में अमेरिका का कोई एक जवाब नहीं है। एक वर्ष की अवधि कम पड़ने की समस्या के समाधान के लिए स्कूलों के अपने अलग-अलग उपाय हैं। जिन विद्यार्थियों के पास तीन-वर्षीय डिग्री और अतिरिक्त क्रेडेंशियल हैं, वे मूल्यांकन करने वाले प्रोफेशनल संगठनों से अपने क्रेडेंशियलों का मूल्यांकन करा सकते हैं और इस तरह प्रोफेशनल रिपोर्ट से अपने आवेदन को मजबूत बना सकते हैं।

भारत में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ने के बाद मुझसे टोफ़ल परीक्षा देने को क्यों कहा जाता है?

अमेरिका में कक्षा में सफल होने के लिए किसी भी छात्र की अंग्रेजी भाषा में प्रवीणता आवश्यक है। अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़े हुए भारतीय विद्यार्थियों की अंग्रेजी पढ़ने, लिखने, बोलने और

ज़्यादा जानकारी के लिए:

अमेरिका-भारत शैक्षिक प्रतिष्ठान

www.usief.org.in

अमेरिका के सर्वोत्तम कालेज

http://colleges.usnews.rankingsandreviews.com/college

सुनने की क्षमता बेहतर हो सकती है। टोफ़ल की तरह की एक मानक परीक्षा से भाषा के इन पहलुओं का अच्छी तरह पता लग जाता है। टोफ़ल (टेस्ट ऑफ इंगलिश एज फॉरेन लैंग्वेज) परीक्षा के जरिए अमेरिका के बाहर से आने वाले विद्यार्थियों की अमेरिकी कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों में बोली, लिखी या सुनी जाने वाली अंग्रेजी में क्षमता का पता लग जाता है।

आवेदन करने के लिए मुझे कौन-कौन-सी माननीकृत परीक्षाएं देनी होंगी?

इसके लिए सामान्यत: दो परीक्षाएं होती हैं: अंडर ग्रेजुएट पढ़ाई तथा ग्रेजुएट रिकार्ड एक्जाम (जीआरई) के लिए सैट (स्कॉलेस्टिक एप्टिट्यूड टेस्ट ऑफ रीजनिंग एबिलिटी) तथा ग्रेजुएट पढ़ाई के लिए ग्रेजुएट मैनेजमेंट एप्टिट्यूड टैस्ट (जी-मैट)। मानकीकृत परीक्षा इस बात पर निर्भर करती है कि कक्षा का स्तर क्या है और आपने किस मुख्य विषय में प्रवेश लेना है। उदाहरण के लिए, अगर आप अमेरिका में अंडर ग्रेजुएट पढ़ाई करना चाहते हैं तो आप 'सैट' परीक्षा का उल्लेख करेंगे। इसी तरह विज्ञान, मानविकी और इंजीनियरी में आपको 'जीआरई' परीक्षा देनी पड़ेगी। मास्टर या पीएच.डी. डिग्री कार्यक्रम के लिए कुछ स्कूल विशेष 'जीआरई' परीक्षा के लिए कह सकते हैं जो 'जीआरई सब्जेक्ट टेस्ट' कहलाती है। बिजनेस विषय में मास्टर डिग्री की पढ़ाई के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए 'जी मैट' की परीक्षा अधिक उत्तम रहेगी। प्रोफेशनल विषयों में प्रवेश पाने के लिए कुछ अन्य स्टैंडर्ड परीक्षाएं इस प्रकार हैं: डेंटल एडमिशन टेस्ट (डैट), मेडिकल कालेज एडमिशन टेस्ट (एमकैट) और लॉ स्कूल एडमिशन टेस्ट (एलसैट)। परीक्षाओं संबंधी अधिक जानकारी के लिए लॉगऑन करें

www.ets.org; www.gmac. org; www.ada.org; www.usmle.org और www.lsac.org

अमेरिका में कॉलेज या विश्वविद्यालय का चयन करते समय भारतीय विद्यार्थियों की रैंकिंग को क्या वरीयता देनी चाहिए?

अमेरिका के अनेक संगठन और पत्रिकाएं अमेरिकी विश्वविद्यालयों की रैंकिंग प्रकाशित करते हैं। विद्यार्थियों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि अनेक विश्वविद्यालय रैंकिंग रिपोर्ट के लिए किए जाने वाले सर्वेक्षणों में भाग नहीं लेते हैं। विद्यार्थियों को रैंकिंग की कार्यप्रणाली के बारे में भी बहुत सावधानीपूर्वक पढ़ना चाहिए।

विद्यार्थियों को ऐसे विश्वविद्यालय का चयन करना चाहिए जो उनके लिए सबसे उपयुक्त है। वह विश्वविद्यालय उनके अध्ययन कार्यक्रमों की गुणवत्ता, फैकल्टी, प्रोफाइल अध्ययन कार्यक्रम की विषय-वस्तु, कक्षा की प्रोफाइल, प्रवेश संबंधी जरूरतों, आर्थिक सहायता की उपलब्धता, कैम्पस में विद्यार्थियों की विविधता और इंटर्नशिप, व्यावहारिक प्रशिक्षण के विकल्प आदि की आवश्यकताओं को पूरा कर सके। विद्यार्थियों को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार स्वयं रैंकिंग करनी चाहिए।

विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय का चुनाव उसके सुपरिचित या विख्यात होने से नहीं बल्कि अपने लिए उसके उपयुक्त होने के आधार पर करना चाहिए। विश्वविद्यालय विद्यार्थी की सभी शैक्षिक, सामाजिक तथा आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करता हो।

भारतीय विद्यार्थियों के लिए अमेरिका में रोज़गार के अवसर क्या हैं?

अंतरर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए रोज़गार के अवसर बहुत सीमित हैं। किसी भी विद्यार्थी को अपनी पढ़ाई का खर्चा पूरा करने के लिए पार्ट टाइम रोज़गार से पर्याप्त धन कमाने की योजना नहीं बनानी चाहिए।

कैम्पस में: हालांकि अंतरर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों को कैम्पस में काम करने की अनुमति है, लेकिन यहां काम पाना प्राय: कठिन होता है। साथ ही, इससे पढ़ाई का खर्च भी पूरा नहीं होता। कैम्पस में जो रोज़गार मिलता है, ज़रूरी नहीं कि उसका संबंध विद्यार्थी की पढ़ाई के विषय से हो। विद्यार्थी कैम्पस में 20 घंटे प्रति सप्ताह काम कर सकते हैं।

व्यावहारिक प्रशिक्षण: व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसर भी मिल सकते हैं जिसके अंतर्गत निश्चित अवधि का अधिकृत रोजगार मिल सकता है जिससे विदेशी विद्यार्थियों को अपने अध्ययन क्षेत्र से संबंधित प्रोफेशनल अनुभव मिल सकता है। इस बारे में विशेष विवरण के लिए विद्यार्थी को नामांकन हो जाने के बाद विश्वविद्यालय में विदेशी छात्र-परामर्शदाता से संपर्क करना चाहिए।

अमेरिकी संस्थाओं में विभिन्न कैंपस के भीतर और कैम्पस से बाहर भी इंटर्नशिप के अवसर मिल जाते हैं, जिनका विवरण सामान्यत: संस्था की वेबसाइट में मिल जाता है। विद्यार्थी को संस्था के कॅरियर केंद्र में परामर्शदाता से परामर्श करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इंटर्नशिप के लिए पात्रता और कानूनी आवश्यकता की पूर्ति हो रही है।

ऐच्छिक व्यावहारिक प्रशिक्षण: हाल ही में अमेरिका ने कुछ नियोक्ताओं के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरी और गणित में डिग्री पूरी करने के बाद ऐच्छिक व्यावहारिक प्रशिक्षण (ओपीटी) की अवधि 12 से 29 माह तक बढ़ा दी है। इस प्रशिक्षण से ऐसे सुयोग्य विद्यार्थी मिल जाते हैं जिनको प्रोफेशनल वातावरण में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त है।

शेवंती नारायण, *कंट्री कोऑर्डिनेटर, एजुकेशनल एडवाइजिंग सर्विसेज, अमेरिका-भारत शैक्षिक प्रतिष्ठान, द्वारा संकलित।*

USIEF

एजुकेशन यूएसए भारत में गतिविधियां

अक्टूबर-नवंबर

उत्तरी क्षेत्र

8 अक्टूबर
यूएसआईईएफ़, नई दिल्ली में अमेरिकी विश्वविद्यालय मेला।

6-7 नवंबर
नई दिल्ली में फ़िक्की उच्च शिक्षा सम्मेलन। इसमें छात्र भी भाग ले सकते हैं।

16-20 नवंबर
अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सप्ताह, यूएसआईएफ़, नई दिल्ली

पूर्वी क्षेत्र

17-18 एवं 20 नवंबर
अमेरिकन सेंटर, कोलकाता में अंतरराष्ट्रीय शिक्षा से संबंधित प्रोग्राम।

दक्षिणी क्षेत्र

6 अक्टूबर
चेन्नई में अमेरिकी विश्वविद्यालय मेला।
26-27 नवंबर
पांडिचेरी में फ़ुल्ब्राइट सम्मेलन

पश्चिमी क्षेत्र

7 अक्टूबर
अमेरिकी विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया और किस तरह सफलता के साथ आवेदन करें- येल यूनिवर्सिटी के अमीन अब्दुल मलिक के साथ एक सत्र, यूएसआईएफ़, मुंबई

16-20 नवंबर
अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सप्ताह, मुंबई